



महाराष्ट्र शासन राजपत्र

प्राधिकृत प्रकाशन

वर्ष ४, अंक ३९] गुरुवार ते बुधवार, सप्टेंबर २७-ऑक्टोबर ३, २०१८/आष्विन ५-११, शके १९४० [पृष्ठे २१, किंमत : रुपये ३०.००

स्वतंत्र संकलन म्हणून फाईल करण्यासाठी प्रत्येक विभागाच्या पुरवणीला वेगळे पृष्ठ क्रमांक दिले आहेत.

भाग एक-नागपूर विभागीय पुरवणी

अनुक्रमणिका

| पृष्ठे | पृष्ठे |
|---|--------|
| भाग एक-शासकीय अधिसूचना : नेमणुका, पदोन्नती, अनुपस्थितीची रजा (भाग एक-अ, चार-अ, चार-ब व चार-क, यामध्ये प्रसिद्ध करण्यात आलेले आहेत त्यांव्यतिरिक्त) केवळ नागपूर विभागाशी संबंधित असलेले नियम व आदेश. | नाही. |
| संकीर्ण अधिसूचना : नेमणुका इ. इ., केवळ नागपूर विभागाशी संबंधित असलेले नियम व आदेश. | १-२१ |

शासकीय अधिसूचना : नेमणुका, इत्यादी

नाही.

संकीर्ण अधिसूचना : नेमणुका, इत्यादी

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८४८.

उपविभागीय अधिकारी तथा विशेष भूसंपादन अधिकारी, यांजकडून

भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम, २०१३.

क्रमांक कार्या-अका-भूसंपादन-कावि-३०-२०१८.——

ज्याअर्थी, समुचित शासन असलेल्या गडचिरोली जिल्ह्याच्या अधिकायाने भूमिसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्साहत करतांना उचित भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम, २०१३ (२०१३ चा ३०) (यात यापुढे ज्याचा निर्देश “ उक्त अधिनियम ” असा केला आहे) यांच्या कलम-११ च्या पोट-कलम (१) द्वारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकाराचा वापर करून काढण्यात आलेली शासकीय अधिसूचना, क्र. भूसंपादन-सिरस्तेदार-कावि-१२३-२०१८, दिनांक १८ एप्रिल, २०१८ अन्वये प्रारंभिक अधिसूचना काढली आहे. मेडीगड्हा बैरेज कोलेश्वरम प्रकल्प अंतर्गत भूमी संपादनाची अधिसूचना महाराष्ट्र शासन राजपत्र भाग-एक नागपूर विभागीय पुरवणी मध्ये दिनांक १० मे, २०१८ ते १६ मे, २०१८ रोजी पृष्ठे १-५, अनुक्रमांक ४०५ वर प्रसिद्ध करण्यात आली. तसेच दैनिक वृत्तपत्र (मराठी) दैनिक भाष्कर दिनांक २१-४-२०१८ व देशोव्रत दिनांक २१-४-२०१८ रोजी प्रसिद्ध करण्यात आलेली आहे आणि त्याद्वारे असे अधिसूचित केले आहे की, यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-एकमध्ये अधिक तपशीलवार वर्णन

केलेल्या जमिनीची, अनुसूची-दोनमध्ये अधिक तपशीलवार विनिर्दिष्ट केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनासाठी आवश्यकता आहे किंवा तिची आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे ;

आणि ज्याअर्थी, गडचिरोली जिल्हाधिका-याने, कलम १५ च्या पोट-कलम (२) अन्वये दिलेला अहवाल, कोणताही असल्यास, विचारात घेतल्यानंतर “ उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी ” उक्त जमिनी संपादित करण्याची आवश्यकता आहे याबाबत त्याची खात्री पटली आहे ;

आणि म्हणून, उक्त अधिनियमाच्या कलम १९ च्या पोट-कलम (१) च्या तरतुदीन्वये “ उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी ” उक्त जमिनीची आवश्यकता आहे असे याद्वारे घोषित करण्यात येत आहे ;

आणि ज्याअर्थी, अनुसूची-तीनमध्ये अधिक तपशीलवार वर्णन केलेले क्षेत्र हे बाधित कुटुंबियांच्या पुनर्वसन व पुनर्वसाहतीच्या प्रयोजनासाठी “ पुनर्वसाहत क्षेत्र ” म्हणून निर्धारित केले असल्याचे याद्वारे घोषित केले जात असून, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत योजनेचा सारांश अनुसूची-चारमध्ये विनिर्दिष्ट केला आहे.

आणि म्हणून, त्याअर्थी, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (४) अन्वये, समुचित शासन असलेला जिल्हाधिकारी, उक्त अधिनियमान्वये जिल्हाधिका-यांची कार्ये पार पाडण्यासाठी उपविभागीय अधिकारी तथा विशेष भूसंपादन अधिकारी अहेरी, यांस पदनिर्देशित केले आहे.

अनुसूची-एक

संपादित करावयाच्या जमिनीचे वर्णन

गाव आयपेठा, तालुका सिरोंचा, जिल्हा गडचिरोली.

| अनुक्रमांक (१) | भूमापन किंवा गट क्रमांक (२) | अंदाजित क्षेत्र (३) हे. आर |
|-------------------|-----------------------------------|----------------------------------|
| १ | १२१ | १ ३१ |
| २ | १२९ | ० ७६ |
| ३ | १३४ | ० ३७ |
| ४ | १ | ० ५० |
| ५ | २ | ० ४४ |
| ६ | ३ | ० ९६ |
| ७ | ४ | १ १० |
| ८ | ५ | १ ०४ |
| ९ | ६ | १ ८१ |
| १० | ७ | १ ४१ |
| ११ | ८ | १ ६७ |
| १२ | ९० | १ २८ |
| १३ | ९१ | ० ८६ |
| १४ | ४२ | २ ५६ |
| १५ | ६७ | २ ४४ |
| १६ | ६८ | ० ५० |
| १७ | ६९ | १ ९२ |
| १८ | ८६ | ० ४२ |
| १९ | ८७ | १ ९४ |
| २० | ८८ | ० ३८ |
| २१ | ९२ | ० ७८ |
| २२ | ९३ | ० २३ |

अनुसूची-एक-चालू

| (१) | (२) | (३) |
|----------------|-------------|------|
| २३ | नाला (NALA) | ० ३८ |
| २४ | १०० | १ ४७ |
| २५ | १०१ | ० ४६ |
| २६ | १०२ | १ १२ |
| २७ | १०४ | ० ८४ |
| २८ | १०५ | १ ४३ |
| २९ | १०६ | १ ४५ |
| ३० | १०७ | १ १८ |
| ३१ | १०८ | ० ८० |
| ३२ | १०९ | ० ८८ |
| ३३ | ११० | ३ ०९ |
| ३४ | ११२ | २ ५२ |
| ३५ | ११३ | २ ४१ |
| ३६ | ११८ | २ ४६ |
| ३७ | ११९ | १ २८ |
| ३८ | नाला (NALA) | ० ८४ |
| ३९ | १२० | ० ५४ |
| ४० | १२२ | ० २० |
| <hr/> | | |
| एकूण . . ४७ २३ | | |
| <hr/> | | |

गाव वडदम, तालुका सिरोंचा, जिल्हा गढविरोली.

| | | |
|---------------|------|------|
| १ | ६२ | १ ०० |
| २ | ६३ | ० ९४ |
| ३ | ६४/२ | ० ५० |
| ४ | ६७ | १ ०६ |
| ५ | ७०/२ | १ ९० |
| ६ | ७४ | ० ७३ |
| ७ | ७५ | ० ३५ |
| ८ | ७६ | ० २७ |
| ९ | ७७ | ० १८ |
| १० | ७८ | ० ४४ |
| <hr/> | | |
| एकूण . . ७ ३७ | | |
| <hr/> | | |

गाव पेंटिपाका, तालुका सिरोंचा, जिल्हा गढविरोली.

| | | |
|---|----|------|
| १ | ८ | ० १८ |
| २ | ९ | ० ६१ |
| ३ | १० | १ १६ |
| ४ | २१ | ० ०६ |

अनुसूची-एक-चालू

| (१) | (२) | (३) |
|-----|-------------|----------------|
| | | हे. आर |
| ५ | २२ | ० ५२ |
| ६ | २३ | ० ९० |
| ७ | २४ | ० २१ |
| ८ | २७ | १ ४६ |
| ९ | २८ | ० ५० |
| १० | २९ | ० ३८ |
| ११ | ३० | ० ३८ |
| १२ | ७७ | ० ६२ |
| १३ | ७८ | ० ३२ |
| १४ | ७९ | १ ११ |
| १५ | ८० | ० ५८ |
| १६ | ८१ | ० ९१ |
| १७ | ८३ | १ २३ |
| १८ | नाला (NALA) | ० ०० |
| | | ———— |
| | | एकूण . . ११ १३ |
| | | ———— |

गाव तुमनुर माल, तालुका सिरोंचा, जिल्हा गडविरोली.

| | | |
|----|-------------|----------------|
| १ | ७४ | ० २० |
| २ | ८३ | २ १५ |
| ३ | ८४ | ० ९३ |
| ४ | ८५ | ० ९३ |
| ५ | ८६ | १ १५ |
| ६ | नाला (NALA) | ० ७६ |
| ७ | ९१ | ० १७ |
| ८ | ९३ | ० ०६ |
| ९ | ९४/१ | १ ६२ |
| १० | ९४/२ | |
| ११ | ९५ | ० ३८ |
| १२ | ९६ | १ ८६ |
| १३ | ९७१ | ० ०६ |
| १४ | ९७२ | ० १० |
| १५ | ९७४ | ० ०८ |
| १६ | ९७५ | ० ६२ |
| १७ | ९७६ | ० १४ |
| १८ | नाला (NALA) | ० ७६ |
| | | ———— |
| | | एकूण . . ११ १७ |
| | | ———— |

अनुसूची-एक-चालू

| (१) | (२) | (३) |
|-----|-------|------|
| १ | १०४ | १ २६ |
| २ | १०५ | ० ५४ |
| ३ | १०६ | ० ६२ |
| ४ | ११० | ० ५३ |
| ५ | ११४ | ० ५१ |
| ६ | ११५ | ० ४८ |
| ७ | १५० | ० ७८ |
| ८ | ११३ | ० ०९ |
| ९ | १४२ | ० ०४ |
| १० | १४३ | ० ०६ |
| ११ | १३८ | ० ०४ |
| १२ | १०९ | ० ०२ |
| १३ | १००/१ | ० ४० |
| १४ | १४७ | १ २१ |
| १५ | ७५ | १ ०१ |
| १६ | १५१ | ० ४४ |
| १७ | १५५ | १ १० |
| १८ | १५९ | ० ७४ |

एकूण . . १ ८७

अनुसूची-दोन

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाबाबत विवरण

प्रकल्पाचे नांव.—मेडीगड्हा बॅरेज कालेश्वरम प्रकल्प.

प्रकल्प कामाचे वर्णन.—मेडीगड्हा बॅरेज कालेश्वरम प्रकल्प, गोदावरी नदीवरील प्रस्तावित बांधकाम.

समाजाला मिळणारे लाभ.—प्रकल्पाच्या लाभ क्षेत्रातील शेतक-यांना शेतीला पाण्याची सुविधा आणि पिण्याचे पाणी सुविधा तसेच मत्स्यव्यवसाय करण्यास लाभ.

अनुसूची-तीन

पुनर्वसाहत क्षेत्राचे वर्णन

संपादनामुळे भूधारक विस्थापित होत नाही.—निरंक

अनुसूची-चार

पुनर्वसन व पुनर्वसाहत योजनेचा सारांश

१. कार्यकारी अभियंता, कालेश्वरम प्रकल्प विभाग १, महादेवापुर तेलंगणा राज्य यांचे पत्र क्र. ६४०-चिशा-१-भूसंपादन-मेडीगड्हा-२०१८, दिनांक १२-४-२०१८.

२. कार्यकारी अभियंता, कालेश्वरम प्रकल्प विभाग १, महादेवापुर तेलंगणा राज्य यांचे पत्र क्र. EE/KPD-1/MDRP/152/M, दिनांक ९-४-२०१८.

३. कार्यकारी अभियंता, गडचिरोली पाटबंधारे विभाग, गडचिरोली यांचे पत्र क्र. ६३८/चिशा-१/भूसंपादन/मेडीगड्हा/२०१८, दिनांक १२-४-२०१८.

४. तसेच भूसंपादन होत असलेल्या गावातील तलाठी यांचा भूमीहीन होत नसल्याबाबत व कोणीही विस्थापित होत नसल्याचा अहवाल.

संपादनामुळे भूधारक विस्थापित होत नाही त्यामुळे त्यांना विस्थापनाचा लाभ देता येणार नाही.

महाराष्ट्र प्रकल्प बाधित व्यक्तीचे पुनर्वसन अधिनियम, १९८६ व तदनंतर या प्रकल्पाबाबत निर्गमित करण्यात आलेले शासन निर्णयानुसार लाभ देण्यात येतील.

टिप :—उक्त जमिनीच्या नकाशाचे उपविभागीय अधिकारी तथा विशेष भूसंपादन अधिकारी, अहेरी यांचे कार्यालयात पाहण्यासाठी उपलब्ध आहेत.

अहेरी :

दिनांक २१ सप्टेंबर, २०१८.

डॉ. सचिन ओम्बासे,
उपविभागीय अधिकारी
तथा विशेष भूसंपादन अधिकारी,
अहेरी.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८४९.

प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधीश, यांजकडून

आदेश

क्रमांक सहा अधी(आस्था)-६९९-२०१८.—

(१) श्री. के. एस. जाधव, सचिव, जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण, चंद्रपूर यांना दिनांक २३-७-२०१८ ते दिनांक २७-७-२०१८ पर्यंत एकूण पाच दिवसांची अर्जित रजा (दिनांक २२-७-२०१८ रविवार, दिनांक २८-७-२०१८ चौथा शनिवार व दिनांक २९-७-२०१८ रविवार या सुटीचे फायद्यासह) तसेच दिनांक २९-७-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेनंतर ते दिनांक ३०-७-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेपुर्वीपर्यंत मुख्यालय सोडण्याचे परवानगीसह मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्री. के. एस. जाधव, सचिव, जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण, चंद्रपूर हे पूर्वप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. के. एस. जाधव, सचिव, जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण, चंद्रपूर हे जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेले नसते तर ते त्याच पदावर कायम राहीले असते ”

(३) सचिव, जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण, चंद्रपूर यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्री. के. एस. जाधव, हे त्याचे पदावर रुजू होईपर्यंत दिवाणी न्यायाधीश (व. स्तर), चंद्रपूर यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

दिनांक २० जुलै २०१८.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८५०.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-६९८-२०१८.—

(१) श्रीमती ए. एल. सराफ, २ रे सह दिवाणी न्यायाधीश (व. स्तर) तथा अति. मुख्य न्यायदंडाधिकारी, चंद्रपूर यांना दिनांक २-८-२०१८ ते दिनांक ४-८-२०१८ पर्यंत तीन दिवसाची अर्जित रजा (दिनांक ५-८-२०१८-रविवार सुटी असल्याने) तसेच दिनांक ६-८-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेपूर्वीपर्यंत मुख्यालय सोडण्याची परवानगी मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्रीमती ए. एल. सराफ, २ रे सह दिवाणी न्यायाधीश (व. स्तर) तथा अति. मुख्य न्यायदंडाधिकारी, चंद्रपूर ह्या त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्रीमती ए. एल. सराफ, २ रे सह दिवाणी न्यायाधीश (व. स्तर) तथा अति. मुख्य न्यायदंडाधिकारी, चंद्रपूर ह्या जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेल्या नसत्या तर त्या त्याच पदावर कायम राहील्या असत्या ”

(३) २ रे सह दिवाणी न्यायाधीश (व. स्तर) तथा अति. मुख्य न्यायदंडाधिकारी, चंद्रपूर यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्रीमती ए. एल. सराफ, ह्या त्याचे पदावर रुजू होईपर्यंत दिवाणी न्यायाधीश (व. स्तर), चंद्रपूर यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

दिनांक २१ जुलै २०१८.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८५१.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७१२-२०१८.—

(१) श्री. ए. ए. ढोके, सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, ब्रह्मपुरी यांना दिनांक ३०-७-२०१८ ते दिनांक ४-८-२०१८ पर्यंत एकूण सहा दिवसाची अर्जित रजा (दिनांक ५-८-२०१८-रविवार सुटी असल्याने) तसेच दिनांक ३०-७-२०१८ ते दिनांक ६-८-२०१८ कार्यालयीन वेळेपूर्वीपर्यंत मुख्यालय सोडण्याची परवानगी मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्री. ए. ए. ढोके, सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. ए. ए. ढोके, सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. वर्ग, ब्रह्मपुरी हे जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेले नसते तर त्याच पदावर कायम राहीले असते ”

(३) सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. वर्ग, ब्रह्मपुरी यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्री. ए. ए. ढोके, हे त्यांचे कामावर रुजू होईपर्यंत, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर), ब्रह्मपुरी यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

दिनांक २७ जुलै २०१८.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८५२.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७२६-२०१८.—

(१) श्री. एन. ए. इंगळे, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, भद्रावती यांना दिनांक ६-८-२०१८ ते दिनांक १०-८-२०१८ पर्यंत एकूण पाच दिवसाची अर्जित रजा (दिनांक ११-८-२०१८-दुसरा शनिवार सुटी असल्यामुळे) तसेच दिनांक ४-८-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेनंतर ते दिनांक ११-८-२०१८ पर्यंत मुख्यालय सोडण्याचे परवानगीसह मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्री. एन. ए. इंगळे, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, भद्रावती हे पूर्वीप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. एन. ए. इंगळे, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, भद्रावती हे जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेले नसते तर त्याच पदावर कायम राहीले असते ”

(३) दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, भद्रावती यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्री. एन. ए. इंगळे, हे त्यांचे कामावर रुजू होईपर्यंत सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा त्याच पदावर कायम राहीले असते.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८५३.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७२७-२०१८.—

(१) श्री. एस.यु. कंठे सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, भद्रावती यांना दिनांक १३-८-२०१८ चे दिनांक १६-८-२०१८ पर्यंत एकूण चार दिवसाची अर्जित रजा (दिनांक ११-८-२०१८-दुसरा शनिवार, दिनांक १२-८-२०१८ रविवार सुटी असल्याने) तसेच दिनांक ११-८-२०१८ चे रिमांडचे कामकाज

आटोपल्यानंतर ते दिनांक १७-८-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेपुर्वीपर्यंत मुख्यालय सोडण्याची परवानगीसह मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्री. एस.यु. कंठे सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, भद्रावती हे पूर्वीप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. एस.यु. कंठे, सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, भद्रावती हे जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेले नसते तर ते त्याच पदावर कायम राहीले असते ”

(३) सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, भद्रावती यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्री. एस.यु. कंठे, हे त्यांचे कामावर रुजू होईपर्यंत दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, भद्रावती यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८५४.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७२८-२०१८.—

(१) श्री. व्ही. एस. खोत, मुख्य न्यायदंडाधिकारी, चंद्रपूर यांना दिनांक ८-८-२०१८ ते दिनांक १०-८-२०१८ पर्यंत एकूण तीन दिवसाची अर्जित रजा (दिनांक ११-८-२०१८-दुसरा शनिवार, दिनांक १२-८-२०१८ रविवार या सुटीच्या फायद्यासह) तसेच दिनांक ८-८-२०१८ ते दिनांक १३-८-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेपुर्वीपर्यंत मुख्यालय सोडण्याचे परवानगीसह मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्री. व्ही. एस. खोत, मुख्य न्यायदंडाधिकारी, चंद्रपूर हे पूर्वीप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. व्ही. एस. खोत, मुख्य न्यायदंडाधिकारी, चंद्रपूर हे जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेले नसते तर ते त्याच पदावर कायम राहीले असते ”

(३) मुख्य न्यायदंडाधिकारी, चंद्रपूर यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्री. व्ही. एस. खोत, हे त्यांचे पदावर रुजू होईपर्यंत सह दिवाणी न्यायाधीश (व. स्तर) तथा अति.मुख्य न्यायदंडाधिकारी, चंद्रपूर यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

दिनांक ६ ऑगस्ट २०१८

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८५५.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७३३-२०१८.—

(१) श्री. पी. आर. कुलकर्णी २ रे सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर यांना दिनांक ८-८-२०१८ ते दिनांक १०-८-२०१८ पर्यंत तीन दिवसाची अर्जित रजा (दिनांक ११-८-२०१८-दुसरा शनिवार, दिनांक १२-८-२०१८ रविवार या सुटीच्या फायद्यासह) तसेच दिनांक ७-८-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेनंतर ते दिनांक १३-८-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेपुर्वीपर्यंत मुख्यालय सोडण्याची परवानगीसह मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्री. पी. आर. कुलकर्णी २ रे सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर हे पूर्वीप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. पी. आर. कुलकर्णी २ रे सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर हे जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेले नसते तर ते त्याच पदावर कायम राहीले असते ”

(३) २ रे सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्री. पी. आर. कुलकर्णी, हे त्यांचे कामावर रुजू होईपर्यंत दिनांक ६-८-२०१८ चे अर्जावर दिलेल्या संमतीप्रमाणे ३रे/४थे/५वे सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

दिनांक ७ ऑगस्ट २०१८.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८५६.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७३८-२०१८.—

(१) श्री. जी. आर. तौर, दिवाणी न्यायाधीश (व.स्तर.), वरोरा यांना दिनांक ३०-७-२०१८ ते दिनांक ०१-८-२०१८ पर्यंत एकूण तीन दिवसाची परिवर्तीत रजा कार्योत्तर मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्री. जी. आर. तौर, दिवाणी न्यायाधीश (व.स्तर.), वरोरा हे पूर्वीप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. जी. आर. तौर, दिवाणी न्यायाधीश (व.स्तर.), वरोरा हे जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेले नसते तर ते त्याच पदावर कायम राहीले असते ”

(३) दिवाणी न्यायाधीश (व.स्तर), वरोरा यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्री. जी. आर. तौर, हे त्यांचे पदावर रुजू होईपर्यंत त्यांचे न्यायालयाचा विशेष अधिकारक्षेत्राचा (Special Jurisdiction) कार्यभार दिवाणी न्यायाधीश (व.स्तर), चंद्रपूर यांचेकडे तसेच विशेष अधिकारक्षेत्राच्या व्यतिरिक्तचा कार्यभार सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, वरोरा यांचेकडे ठेवण्यात आलेला होता.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८५७.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७३९-२०१८.—

(१) श्री. ए. जी. साबळे, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, सिंदेवाही यांना दिनांक ८-८-२०१८ ते दिनांक १०-८-२०१८ पर्यंत एकूण तीन दिवसाची अर्जित रजा (दिनांक ११-८-२०१८-दुसरा शनिवार, दिनांक १२-८-२०१८ रविवार सुटी असल्यामुळे) तसेच दिनांक ८-८-२०१८ ते दिनांक १३-८-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेपूर्वीपर्यंत मुख्यालय सोडण्याची परवानगीसह मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्री. ए. जी. साबळे, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, सिंदेवाही हे पूर्वीप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. ए. जी. साबळे, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, सिंदेवाही हे जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेले नसते तर ते त्याच पदावर कायम राहीले असते ”

(३) दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, सिंदेवाही यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्री. ए. जी. साबळे हे त्यांचे कामावर रुजू होईपर्यंत दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, मुल यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

दिनांक ८ ऑगस्ट २०१८.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८५८.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७४४-२०१८.—

(१) श्रीमती यो. कृ. राऊत सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर यांना दिनांक १६-८-२०१८ ते दिनांक १८-८-२०१८ रोजीची तीन दिवसाची अर्जित रजा मंजूर करण्यात येत आहे.

ना.-एक-३ (७८५).

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्रीमती यो. कृ. राऊत सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर ह्या पूर्वीप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्रीमती यो. कृ. राऊत सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर ह्या जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेल्या नसत्या तर त्या त्याच पदावर कायम राहील्या असत्या ”

(३) सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्रीमती यो. कृ. राऊत, ह्या त्यांचे कामावर रुजू होईपर्यंत २रे सह दिवाणी न्यायाधीश, (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

दिनांक १४ ऑगस्ट २०१८.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८५९.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७४७-२०१८.—

(१) श्रीमती एस. जे. अंसारी, जिल्हा न्यायाधीश-२ तथा सहा. सत्र न्यायाधीश, चंद्रपूर यांना दिनांक १७-८-२०१८ व दिनांक १८-८-२०१८ पर्यंत एकूण दोन दिवसांची अर्जित रजा (दिनांक १९-८-२०१८ रविवार या सुटीचे फायद्यासह) तसेच दिनांक १६-८-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेनंतर ते दिनांक २०-८-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेपूर्वीपर्यंत मुख्यालय सोडण्याची परवानगी मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्रीमती एस. जे. अंसारी, जिल्हा न्यायाधीश-२ तथा सहा. सत्र न्यायाधीश, चंद्रपूर ह्या पूर्वीप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्रीमती एस. जे. अंसारी, जिल्हा न्यायाधीश-२ तथा सहा. सत्र न्यायाधीश, चंद्रपूर ह्या जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेल्या नसत्या तर त्या त्याच पदावर कायम राहील्या असत्या ”

(३) जिल्हा न्यायाधीश-२ तथा सहा. सत्र न्यायाधीश, चंद्रपूर यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्रीमती एस. जे. अंसारी ह्या त्यांचे कामावर रुजू होईपर्यंत तद्दर्थ जिल्हा न्यायाधीश-१ तथा सहा सत्र न्यायाधीश चंद्रपूर यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

दिनांक १६ ऑगस्ट २०१८.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८६०.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७४८-२०१८.—

(१) श्री. एन. ए. इंगळे, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, भद्रावती यांना दिनांक २०-८-२०१८ ते दिनांक २४-८-२०१८ पर्यंत एकूण पाच दिवसाची अर्जित रजा (दिनांक १९-८-२०१८-रविवार, दिनांक २५-८-२०१८ चौथा शनिवार व दिनांक २६-८-२०१८-रविवार सुटी असल्यामुळे) तसेच दिनांक १८-८-२०१८ चे कार्यालयीन वेळे नंतर ते दिनांक २७-०८-२०१८ चे कार्यालयीन वेळे पुर्वीपर्यंत मुख्यालय सोडण्याचे परवानगीसह मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्री. एन. ए. इंगळे, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, भद्रावती हे पूर्वीप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. एन. ए. इंगळे, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, भद्रावती हे जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेले नसते तर ते त्याच पदावर कायम राहीले असते ”

(३) दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, भद्रावती यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्री. एन. ए. इंगळे, हे त्यांचे कामावर रुजू होईपर्यंत सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, भद्रावती यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

दिनांक १७ ऑगस्ट २०१८.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८६१.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७५७-२०१८.—

(१) श्री. पी. आर. कुलकर्णी, २रे सह दिवाणी न्यायाधीश, (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर यांना दिनांक २०-८-२०१८ व दिनांक २१-८-२०१८ पर्यंत दोन दिवसांची अर्जित रजा (दिनांक २२-८-२०१८-बकरी ईद या सुटीचे फायद्यासह) तसेच दिनांक १९-८-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेनंतर ते दिनांक २३-०८-२०१८ चे कार्यालयीन वेळे पुर्वीपर्यंत मुख्यालय सोडण्याचे परवानगीसह मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्री. पी. आर. कुलकर्णी, २रे दिवाणी न्यायाधीश, (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर हे पूर्वीप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. पी. आर. कुलकर्णी, २रे सह दिवाणी न्यायाधीश, (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर हे जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेले नसते तर ते त्याच पदावर कायम राहीले असते ”

(३) २रे सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर या न्यायालयाचा कार्यभार, श्री. पी. आर. कुलकर्णी, हे त्यांचे कामावर रुजू होईपर्यंत दिनांक १८-८-२०१८ चे अर्जावर दिलेल्या संमतीप्रमाणे ३रे/४थे सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

दिनांक २० ऑगस्ट २०१८.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८६२.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७६१-२०१८.—

(१) श्री. एस.यु. कंठे, सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, भद्रावती यांना जिल्हा न्यायालयाचे आदेश क्रमांक ७२७/२०१८ दिनांक ६-८-२०१८ अन्वये दिनांक १३-८-२०१८ ते दिनांक १६-८-२०१८ पर्यंत एकूण चार दिवसाची अर्जित रजा मंजूर करण्यात आलेली होती. त्या अर्जित रजेला जोडून दिनांक १७-८-२०१८ व दिनांक १८-८-२०१८ रोजीची दोन दिवसाची वाढीव अर्जित रजा कार्योत्तर मंजुर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्री. एस.यु. कंठे, सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, भद्रावती हे पूर्वीप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. एस.यु. कंठे, सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, भद्रावती हे जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेले नसते तर ते त्याच पदावर कायम राहीले असते ”

(३) सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, भद्रावती यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्री. एस.यु. कंठे, हे त्यांचे कामावर रुजू होईपर्यंत दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, भद्रावती यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८६३.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७६२-२०१८.—

(१) श्री. व्ही. डी. बडे दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, गोंडपिंपरी यांना दिनांक २७-८-२०१८ ते दिनांक १-९-२०१८ पर्यंत एकूण सहा दिवसाची अर्जित रजा (दिनांक २५-८-२०१८ चौथा शनिवार, दिनांक २६-८-२०१८ रविवार व दिनांक २-९-२०१८ रविवार या सुटीच्या फायद्यासह) तसेच दिनांक २४-८-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेनंतर ते दिनांक ३-९-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेपुर्वीपर्यंत मुख्यालय सोडण्याच्या परवानगीसह मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्री. व्ही. डी. बडे, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, गोंडपिंपरी हे पूर्वीप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. श्री. व्ही. डी. बडे, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, गोंडपिंपरी हे जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेले नसते तर तेत त्याच पदावर कायम राहीले असते ”

(३) दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, गोंडपिंपरी यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्री. व्ही. डी. बडे, हे त्यांचे कामावर रुजू होईपर्यंत सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, बल्लारपूर यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८६४.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७६३-२०१८.—

(१) श्री. एन. ए. इंगळे, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, भद्रावती यांना दिनांक २८-८-२०१८ ते दिनांक १-९-२०१८ पर्यंत एकूण पाच दिवसाची अर्जित रजा मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्री. एन. ए. इंगळे, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, भद्रावती हे पूर्वीप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. एन. ए. इंगळे, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, भद्रावती हे जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेले नसते तर तेत त्याच पदावर कायम राहीले असते ”

(३) दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, भद्रावती हे त्यांचे कामावर रुजू होईपर्यंत सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, भद्रावती यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८६५.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७६४-२०१८.—

(१) श्री. व्ही. एस. मेंडे, सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, राजुरा यांना दिनांक २३-८-२०१८ व दिनांक २४-८-२०१८ पर्यंत एकूण दोन दिवसाची अर्जित रजा (दिनांक २२-८-२०१८ बकरी ईद, दिनांक २५-८-२०१८ चौथा शनिवार व दिनांक २६-८-२०१८ रविवार या सुटीच्या फायद्यासह) तसेच दिनांक २१-८-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेनंतर ते दिनांक २७-९-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेपुर्वीपर्यंत मुख्यालय सोडण्याची परवानगी मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्री. व्ही. एस. मेंडे, सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, राजुरा हे पूर्वीप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. व्ही. एस. मेंडे, सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, राजुरा हे जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेले नसते तर तेत त्याच पदावर कायम राहीले असते ”

(३) सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, राजुरा यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्री. व्ही. एस. मेंडे, हे त्यांचे कामावर रुजू होईपर्यंत दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, राजुरा यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८६६.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७६५-२०१८.—

(१) श्री. ए. जी. जोशी जिल्हा न्यायाधीश-३ तथा अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, चंद्रपूर यांना दिनांक २३-८-२०१८ व दिनांक २४-८-२०१८ पर्यंत दोन दिवसांची अर्जित रजा (दिनांक २२-८-२०१८ बकरी ईद या सुटीचे फायद्यासह) तसेच दिनांक २१-८-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेनंतर ते दिनांक २४-८-२०१८ पर्यंत मुख्यालय सोडण्याची परवानगी मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्री. ए. जी. जोशी जिल्हा न्यायाधीश-३ तथा अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, चंद्रपूर हे पूर्वोप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. ए. जी. जोशी जिल्हा न्यायाधीश-३ तथा अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, चंद्रपूर हे जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेले नसते तर ते त्याच पदावर कायम राहीले असते ”

(३) जिल्हा न्यायाधीश-३ तथा अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, चंद्रपूर यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्री. ए. जी. जोशी हे त्यांचे कामावर रुजू होईपर्यंत दिनांक २१-८-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेनंतर ते दिनांक २४-८-२०१८ पर्यंत जिल्हा न्यायाधीश-४ तथा अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, चंद्रपूर यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

दिनांक २१ ऑगस्ट २०१८.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८६७.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७६७-२०१८.—

(१) श्री. ए. व्ही. ढोरे, दिवाणी न्यायाधीश, (क.स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, मुल यांना दिनांक २८-८-२०१८ ते दिनांक १-९-२०१८ पर्यंत एकूण पाच दिवसाची अर्जित रजा (दिनांक २-९-२०१८ रविवार या सुटीचे फायद्यासह) तसेच दिनांक २७-८-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेनंतर ते दिनांक ३-९-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेपूर्वीपर्यंत मुख्यालय सोडण्याची परवानगीसह मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्री. ए. व्ही. ढोरे, दिवाणी न्यायाधीश, (क.स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, मुल हे पूर्वोप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. ए. व्ही. ढोरे, दिवाणी न्यायाधीश, (क.स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, मुल हे जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेले नसते तर ते त्याच पदावर कायम राहीले असते ”

(३) दिवाणी न्यायाधीश, (क.स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, मुल यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्री. ए. व्ही. ढोरे, हे त्यांचे कामावर रुजू होईपर्यंत दिवाणी न्यायाधीश, (क.स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, सावली यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८६८.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७६८-२०१८.—

(१) श्री. पी. व्ही. सुर्यवंशी, दिवाणी न्यायाधीश, (क.स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, कोरपना यांना दिनांक २७-८-२०१८ ते दिनांक ३१-८-२०१८ पर्यंत एकूण पाच दिवसाची अर्जित रजा (दिनांक २५-८-२०१८ चौथा शनिवार, दिनांक २६-८-२०१८ रविवार या सुटीच्या फायद्यासह) तसेच दिनांक २४-८-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेनंतर ते दिनांक १-९-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेपूर्वीपर्यंत मुख्यालय सोडण्याचे परवानगीसह मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्री. पी. व्ही. सुर्यवंशी, दिवाणी न्यायाधीश, (क.स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, कोरपना हे जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेले नसते तर ते त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. पी. व्ही. सुर्यवंशी, दिवाणी न्यायाधीश, (क.स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, कोरपना हे त्यांचे कामावर रुजू होईपर्यंत, दिनांक २५-८-२०१८ व दिनांक २६-८-२०१८ पर्यंत दिवाणी न्यायाधीश, (क.स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, राजुरा व दिनांक २७-८-२०१८ ते दिनांक १-९-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेपूर्वीपर्यंत सह दिवाणी न्यायाधीश, (क.स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी राजुरा यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे ”

(३) दिवाणी न्यायाधीश, (क.स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, कोरपना यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्री. पी. व्ही. सुर्यवंशी, हे त्यांचे कामावर रुजू होईपर्यंत, दिनांक २५-८-२०१८ व दिनांक २६-८-२०१८ पर्यंत दिवाणी न्यायाधीश, (क.स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, राजुरा व दिनांक २७-८-२०१८ ते दिनांक १-९-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेपूर्वीपर्यंत सह दिवाणी न्यायाधीश, (क.स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी राजुरा यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

दिनांक २३ ऑगस्ट २०१८.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८६९.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७७३-२०१८.—

(१) श्रीमती रु. च. नरवडीया, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, ब्रह्मपुरी यांना दिनांक २७-८-२०१८ ते दिनांक १-९-२०१८ पर्यंत एकूण सहा दिवसाची अर्जित रजा मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्रीमती रु. च. नरवडीया, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, ब्रह्मपुरी ह्या पूर्वीप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्रीमती रु. च. नरवडीया, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, ब्रह्मपुरी ह्या जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेल्या नसत्या तर त्या त्याच पदावर कायम राहील्या असत्या ”

(३) दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, ब्रह्मपुरी यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्रीमती रु. च. नरवडीया, ह्या त्यांचे पदावर रुजू होईपर्यंत सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, ब्रह्मपुरी यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

दिनांक २४ ऑगस्ट २०१८.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८७०.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७७९-२०१८.—

(१) श्री. एम के. सोरते, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, राजुरा यांना दिनांक २७-८-२०१८ ते दिनांक ३१-८-२०१८ पर्यंत एकूण पाच दिवसाची अर्जित रजा व मुख्यालय सोडण्याचे परवानगीसह मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्री. एम के. सोरते, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, राजुरा हे पूर्वीप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. एम के. सोरते, दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी,

ना.-एक-४ (७८५).

प्र. श्रेणी, राजुरा हे जर वर नमूद कालावधीत रजेवर गेले नसते तर ते त्याच पदावर कायम राहीले असते ”

(३) दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, राजुरा यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्री. एम के. सोरते, हे त्यांचे कामावर रुजू होईपर्यंत सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, राजुरा यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ८७१.

आदेश

क्रमांक सहा अधी.(आस्था)-७८०-२०१८.—

(१) श्रीमती टि. जी. बन्सोड, ३ रे सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, चंद्रपूर यांना दिनांक ४-९-२०१८ ते दिनांक ७-९-२०१८ पर्यंत चार दिवसाची अर्जित रजा (दिनांक ८-९-२०१८ दुसरा शनिवार व दिनांक ९-९-२०१८ रविवार सुटी असल्यामुळे) तसेच दिनांक ३-९-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेनंतर ते दिनांक १०-९-२०१८ चे कार्यालयीन वेळेपूर्वीपर्यंत मुख्यालय सोडण्याची परवानगी सह मंजूर करण्यात येत आहे.

(२) रजेवरुन परत आल्यानंतर श्रीमती टि. जी. बन्सोड, ३ रे सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, चंद्रपूर ह्या पूर्वीप्रमाणे त्याच पदावर कायम राहतील.

“ महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम १९८१ च्या नियम ३९ (ब) खालील तळटिप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्रीमती टि. जी. बन्सोड, ३ रे सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, चंद्रपूर यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्रीमती टि. जी. बन्सोड, ह्या त्यांचे पदावर रुजू होईपर्यंत दिनांक २४-८-२०१८ चे अर्जावर दिलेल्या समंतीप्रमाणे ४थे/५वे सह दिवाणी न्यायाधीश, (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, चंद्रपूर यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे. ”

(३) ३ रे सह दिवाणी न्यायाधीश (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, चंद्रपूर यांचे न्यायालयाचा कार्यभार, श्रीमती टि. जी. बन्सोड, ह्या त्यांचे पदावर रुजू होईपर्यंत दिनांक २४-८-२०१८ चे अर्जावर दिलेल्या समंतीप्रमाणे ४थे/५वे सह दिवाणी न्यायाधीश, (क. स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी, प्र. श्रेणी, चंद्रपूर यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

चंद्रपूर :

(अवाच्य),

दिनांक २७ ऑगस्ट २०१८.

प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधीश,
चंद्रपूर.

पुढील अधिसूचना असाधारण राजपत्र म्हणून त्यांच्यापुढे दर्शविलेल्या दिनांकांना प्रसिद्ध झालेल्या आहेत.

२५

बुधवार, सप्टेंबर १२, २०१८/भाद्रपद २१, शके १९४०

भाग १ (असा.) (ना.वि.पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ४३.

उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन क्रमांक १), यांजकडून

भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करतांना उचित भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र सुधारणा) अधिनियम, २०१८

क्रमांक क.लि.-उजि(भू)-वि.पा.वि.म.-कावि-२११-२०१८.—

ज्याअर्थी, भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करतांना उचित भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम, २०१३ (२०१३ चा ३०) याच्या कलम ३ च्या खंड (इ) च्या परंतुकाद्वारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकाराचा वापर करून काढण्यात आलेली शासकीय अधिसूचना, महसूल व वन विभाग क्र. संकिर्ण ११-२०१४-प्र.क्र.-७७-अ-२, दिनांक १९ जानेवारी, २०१५ (यात यापुढे जिचा निर्देश “ उक्त अधिसूचना ” असा करण्यात आला आहे) याद्वारे असे अधिसूचित केले आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (झेड अे) मध्ये व्याख्या केलेल्या एखाद्या सार्वजनिक प्रयोजनासाठी, एखाद्या जिल्हातील ५०० हेक्टरपेक्षा अधिक नसेल इतक्या क्षेत्राकरीता जमीन संपादन करण्याच्या संबंधात, अशा जिल्ह्याचा जिल्हाधिकारी हा उक्त अधिनियमाच्या प्रयोजनासाठी समुचित शासन असल्याचे मानण्यात येईल.

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिसूचनेनुसार समुचित शासन असलेल्या, नागपूर जिल्ह्याच्या जिल्हाधिका-यास यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-एकमध्ये अधिक तपशीलवार वर्णन केलेली जमीन (यात यापुढे जिचा निर्देश “ उक्त जमीन ” असा करण्यात आला आहे) सार्वजनिक प्रयोजनासाठी (यात यापुढे ज्याचा निर्देश “ उक्त सार्वजनिक प्रयोजन ” असा करण्यात आला आहे) आवश्यक आहे अथवा तीची आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे असे वाटते, ज्याच्या स्वरूपाचे विवरण यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-दोनमध्ये दिलेले आहे.

आणि म्हणून, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट-कलम (१) च्या तरतुदीन्वये याद्वारे असे अधिसूचित करण्यात येते की, उक्त जमिनीची उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे;

आणि ज्याअर्थी, प्रस्तावित भूमि संपादनाच्या अनुंगाने बाधित व्यक्तींचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-तीनमध्ये दिलेले आहेत. (विस्थापन होणार असेल तर या अनुसूचीमध्ये कारणे नमूद करावी);

आणि ज्याअर्थी, सामाजिक परिणाम निर्धारण सारांश यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-चारमध्ये दिलेला आहे.

आणि ज्याअर्थी, कलम ४३ च्या पोट-कलम (१) अन्वये पुनर्वसन व पुनर्वसाहत या प्रयोजनासाठी नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशील, यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-पाचमध्ये दिलेला आहे. (नियुक्ती करणे आवश्यक असेल तर या अनुसूचीमध्ये तपशील नमूद करावा);

त्याअर्थी, आता, असे घोषित करण्यात येत आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट-कलम ४५ नुसार कोणतीही व्यक्ती ही अधिसूचना प्रसिद्ध झाल्याच्या दिनांकापासून ते उक्त अधिनियमाचे प्रकरण चार खालील कार्यवाही पूर्ण होईल त्या कालावधीपर्यंत उक्त जमिनीचा अथवा तिच्या भागाचा कोणताही व्यवहार करणार नाही किंवा उक्त जमिनीवर कोणताही भार निर्माण करणार नाही;

परंतु, उक्त जमिनीच्या अथवा तिच्या भागाच्या मालकाने अर्ज केल्यावर जिल्हाधिका-यांस विशेष परिस्थितीची कारणे लेखी नमूद करून अशा मालकास उपरोक्त तरतुदीच्या प्रवर्तनातून सुट देता येईल.

परंतु, आणखी असे की, जर कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे बुध्दीपुःरस्सर उल्लंघन केल्यामुळे तिला झालेल्या कोणत्याही हानीची किंवा क्षतीची जिल्हाधिका-यांकडून भरपाई दिली जाणार नाही. तसेच, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट-कलम (५) अनुसार, जिल्हाधिकारी भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना उचित भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम, २०१४ (यात यापुढे ज्यांचा निर्देश “ उक्त नियम ” असा करण्यात आलेला आहे) यांच्या नियम १० च्या, उप नियम (३) द्वारे विहीत केल्याप्रमाणे भूमि अभिलेखाच्या अद्यायावतीकरणाचे काम हाती घेणार असल्याचे व पूर्ण करणार असल्याचे देखील घोषित करण्यात येत आहे.

आणि म्हणून, त्याअर्थी, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (छ) अन्वये, समुचित शासन असलेला जिल्हाधिकारी, उक्त अधिनियमाखालील जिल्हाधिका-यांची कार्य पार पाडण्यासाठी श्री ए. सी. कुमरे, उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन क्र. १), विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडळ, नागपूर यांस पदनिर्देशित करीत आहे.

अनुसूची-एक जमिनीचे वर्णन

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक ३-अ-६५-२०११-२०१२, प.ह.नं. ४२-अ

गाव-रायवाडी (जुनी), तालुका-सावनेर, जिल्हा नागपूर.

| अनुक्रमांक | चालता क्रमांक | घर टॅक्स क्रमांक | बांधकामाचे क्षेत्रफळ | खुल्या जागेचे क्षेत्रफळ | एकूण क्षेत्रफळ |
|------------|---------------|------------------|----------------------|-------------------------|----------------|
| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) |
| १ | १ | १५ | ११९.१३ | २५.५८ | १४४.७१ |
| २ | २ | १२ | ६४.०३ | ७.९० | ७१.९३ |
| ३ | ३ | ८ | ४५.३७ | १७.४२ | ९४२.७९ |
| ४ | ४ | ७ | २१३.२३ | २२७.८८ | ४४१.११ |
| ५ | ५ | ६ | ८१.८५ | ०.०० | ८१.८५ |
| ६ | ६ | .. | ९.५४ | २५.६० | ३५.१४ |
| ७ | ७ | ९ | ५४.९८ | ३४.६६ | ८९.६४ |
| ८ | ८ | १० | ४७.८४ | ०.०० | ४७.८४ |
| ९ | ९ | ४ | ४०.६० | ५६.५९ | ९७.१९ |
| १० | १० | ५ | ३८.५६ | ६८.६७ | ९०७.२३ |
| ११ | ११ | ११ | ४७.५१ | ६१.६६ | ९०९.२५ |
| १२ | १२ | १४ | ५१.०३ | ७२.०४ | १२३.०७ |
| १३ | १३ | १३ | ३८.४६ | ६५.६४ | ९०४.१० |
| १४ | १४ | २३ | ६१.५५ | २६५.०६ | ३२६.६१ |
| १५ | १५ | १ | ३५.९० | ११२.८८ | १४८.७८ |

अनुसूची-एक-चालू

| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) |
|-----|-----|-----|---------|---------|---------|
| | | | चौ. मी. | चौ. मी. | चौ. मी. |
| १६ | १६ | २४८ | ४०.३९ | १८६.२० | २२६.५९ |
| १७ | १७ | ३ | २५४.०६ | २१२.४८ | ५४६.५४ |
| १८ | १८ | २५१ | १६.५१ | ४.८५ | २१.३६ |
| १९ | १९ | २५३ | ४१.०५ | २८.८६ | ६९.९१ |
| २० | २० | २१ | ३५.६८ | ५७.५१ | ९३.९१ |
| २१ | २१ | २० | ४२.९४ | २९.२३ | ७१.३७ |
| २२ | २२ | १९ | ३९.३० | १० ४१ | ४९.७१ |
| २३ | २३ | २४ | १०७.३९ | ५४.३६ | १६१.७५ |
| २४ | २४ | २५ | ६६.६० | २७.९५ | ९४.५५ |
| २५ | २५ | २६ | ७५.१८ | ३७.४२ | ११२.६० |
| २६ | २६ | १८ | ६२.०३ | ०.०० | ६२.०३ |
| २७ | २७ | २४९ | ३१.८२ | ०.०० | ३१.८२ |
| २८ | २८ | १६ | ५६.७१ | ३५.२२ | ९१.९३ |
| २९ | २९ | १७ | ५१.३४ | ४.२७ | ६३.६१ |
| ३० | ३० | ३८ | ७०.९४ | २६३.५७ | ३३४.५१ |
| ३१ | ३१ | ४४ | ७१.५२ | १२८.५४ | २०८.०६ |
| ३२ | ३२ | ४२ | ४३.६८ | ११.२९ | ५४.९७ |
| ३३ | ३३ | ३९ | ३१.५६ | १२.३३ | ४३.८९ |
| ३४ | ३४ | ४० | ३०.३६ | २२.२९ | ५२.६५ |
| ३५ | ३५ | ४१ | ३२.६७ | १५.२३ | ४७.९० |
| ३६ | ३६ | ४३ | ० ०० | ७२.९० | ७२.९० |
| ३७ | ३७ | ४७ | ४१.४६ | २४.३६ | ६५.८२ |
| ३८ | ३८ | ४५ | ६४.२८ | ३३.९० | ९८.९८ |
| ३९ | ३९ | ४८ | ५४.४९ | ३४.५१ | ८९.०० |
| ४० | ४० | ४९ | १५.१० | १६.५४ | ३१.६४ |
| ४१ | ४१ | २५२ | २२.९७ | १७.२२ | ४०.९९ |
| ४२ | ४२ | ३३ | ७५.२४ | ५२.५९ | १२७.८३ |
| ४३ | ४३ | ३४ | ३०.१६ | ५४.३७ | ८४.५३ |
| ४४ | ४४ | ३५ | ६२.९९ | ६२.९९ | १२५.९८ |
| ४५ | ४५ | ३६ | १५.७४ | ९.४४ | २५.९८ |
| ४६ | ४६ | ३७ | १५.६१ | ४.४१ | २०.०२ |
| ४७ | ४७ | .. | २१.०२ | ०.०० | २१.०२ |
| ४८ | ४८ | ५६ | ३७.४२ | २.९४ | ४०.३६ |
| ४९ | ४९ | ५८ | ३७.४२ | ३.०९ | ४०.५१ |
| ५० | ५० | ५७ | ३६.८५ | ६.५० | ४२.९५ |
| ५१ | ५१ | ६० | ३७.३४ | ०.०० | ३७.३४ |
| ५२ | ५२ | ६१ | ३८.८८ | १६.७० | ५५.५८ |
| ५३ | ५३ | ६२ | ३८.९७ | ०.०० | ३८.९७ |
| ५४ | ५४ | २५९ | ६३.४२ | ८८.७० | १५२.९२ |
| ५५ | ५५ | ९५ | ४६.९५ | ३९.९१ | ८५.२६ |

अनुसूची-एक-चालू

| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) |
|-----|------|-----|---------|---------|---------|
| | | | चौ. मी. | चौ. मी. | चौ. मी. |
| ५६ | ५६ | ३० | ४३.४२ | ३२.६६ | ७६.०८ |
| ५७ | ५७ | २७ | ४६.३९ | ३३.७८ | ८०.९७ |
| ५८ | ५८ | २८ | ४६.८६ | २७.८२ | ७४.६८ |
| ५९ | ५९ | ३१ | ३४.१७ | ०.०० | ३४.१७ |
| ६० | ६० | ७६ | ५३.९७ | ४८.२६ | १०२.२३ |
| ६१ | ६१ | ७५ | ६७.३६ | ६२.६५ | १३०.०९ |
| ६२ | ६२ | ७४ | २७.६९ | २६.३५ | ५४.०४ |
| ६३ | ६३ | ६३ | ७९.४० | ७८.६७ | १५८.०७ |
| ६४ | ६४ | ३२ | ५०.९९ | २१.८६ | ७७.६५ |
| ६५ | ६५ | ९३ | ३८.५१ | ६५.५२ | १०४.०३ |
| ६६ | ६६ | ७९ | ३८.५३ | ११.४४ | ५७.९७ |
| ६७ | ६७ | ७७ | १४.९३ | ६७.९२ | ८२.८५ |
| ६८ | ६८ | ७८ | ४१.४६ | ११.८५ | ६१.३१ |
| ६९ | ६९ | ८१ | ४६.७८ | २४.०० | ७०.७८ |
| ७० | ७० | ८० | ६६.६४ | ३४.५१ | १०१.१५ |
| ७१ | ७१ | ८२ | १४.८५ | ५०.३४ | ६५.९९ |
| ७२ | ७२ | २५० | २६.४८ | ५७.०० | ८३.८८ |
| ७३ | ७३ | १०० | ५०.५० | ३७.५१ | ८८.०९ |
| ७४ | ७४ | ५४ | ५०.२४ | ५७.९० | १०७.३४ |
| ७५ | ७५ | ५५ | ३०.८४ | १०.०० | ४०.८४ |
| ७६ | ७६ | ५३ | ८८.०५ | ३३.०५ | १२१.१० |
| ७७ | ७७ | ९७ | ०.०० | ३३.०५ | ३३.०५ |
| ७८ | ७८ | ५० | २४.३५ | ५६.७१ | ८१.०६ |
| ७९ | ७९ | ५१ | ३१.७८ | ४४.८२ | ८४.६० |
| ८० | ८० | ५२ | ३२.२१ | ७३.८४ | १०६.०५ |
| ८१ | ८१ | ९८ | ५६.५२ | ४०.९४ | ९६.६६ |
| ८२ | ८२ | २४६ | ४२.७० | २९.६२ | ७२.३२ |
| ८३ | ८३ | ५९ | ८७.७० | २५.१० | ११२.८० |
| ८४ | ८४ | ८९ | ८४.४२ | १७५.६३ | २६०.०५ |
| ८५ | ८५ | २५४ | २४.१५ | ५१.३० | ७४.४५ |
| ८६ | ८६ | ६४ | ०.०० | ७३.४७ | ७३.४७ |
| ८७ | ८७ | ६५ | ५६.५० | १०१.०९ | १५७.५९ |
| ८८ | ८८/१ | ६६ | ५३.६२ | ९.३९ | ६३.०९ |
| ८९ | ८८/२ | ६७ | ३६.३१ | ९.३० | ४५.६१ |
| ९० | ८९ | ९९ | २५.५३ | ६२.२९ | ८७.८२ |
| ९१ | ९० | ९२ | ६३.७७ | २१.१० | ८४.८७ |
| ९२ | ९१ | ७२ | ५४.१७ | २०.५० | ७५.४७ |
| ९३ | ९२ | ७१ | ०.०० | १३१.१७ | १३१.१७ |
| ९४ | ९३ | ८३ | ४६.५७ | १०१.०४ | १४७.६१ |

अनुसूची-एक-चालू

| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) |
|--------------------|-----|-----|---------|---------|----------|
| | | | चौ. मी. | चौ. मी. | चौ. मी. |
| १५ | १४ | ८४ | ३६.३५ | ११६.९२ | १५३.२७ |
| १६ | १५ | ९२ | ३०.८८ | १७५.४१ | २०६.२९ |
| १७ | १६ | | | | |
| १८ | १७ | २१७ | २७.०९ | ६३.३३ | ९०.३४ |
| १९ | १८ | २४५ | २५.७४ | ५८.५९ | ८४.३३ |
| १०० | १९ | ८६ | १२५.४७ | १६०.९५ | २८५.६२ |
| १०१ | १०० | ८७ | ११६.२० | १६२.४२ | २७८.६२ |
| १०२ | १०१ | ८८ | ११२.२३ | २०५.८७ | ३१८.१० |
| १०३ | १०२ | २३६ | ५.६० | ५९.११ | ६४.७१ |
| १०४ | १०४ | ४६ | ०.०० | १२९.८५ | १२९.८५ |
| १०५ | १०५ | ९४ | ६३.६३ | १३३.४० | ११७.०३ |
| १०६ | १०६ | ८९ | ६०.९० | २७.३७ | ८८.२७ |
| १०७ | १०७ | ९० | ०.०० | ८८.१५ | ८८.१५ |
| १०८ | १०८ | २४७ | ०.०० | ५८.८४ | ५८.८४ |
| <hr/> | | | <hr/> | <hr/> | <hr/> |
| एकूण क्षेत्रफळ . . | | | ५२११.२७ | ६१९०.०० | ११४०९.२७ |
| <hr/> | | | <hr/> | <hr/> | <hr/> |

अनुसूची-दोन

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाबाबत विवरण

प्रकल्पाचे नाव : कन्हान नदी प्रकल्प (कोच्छी बऱेज)
 प्रकल्प कार्याचे वर्णन : कोच्छी बऱेजच्या बाधित क्षेत्राकरिता
 समाजाला मिळणारे लाभ : कन्हान नदी प्रकल्प (कोच्छी बऱेज) योजनेचा लाभ सार्वजनिक पाणीपुरवठा, उद्योगांदे व शेतजमिनीला होणार आहे.

अनुसूची-तीन

बाधित व्यक्तीचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे : विस्थापीत होत आहे.

पुनर्वसाहत क्षेत्राचे वर्णन

गाव : बऱेगाव, तालुका सावनेर, जिल्हा नागपूर.

अनुक्रमांक भूमापन क्रमांक किंवा क्षेत्र

गट नंबर

| (१) | (२) | (३) |
|----------------|------|--------|
| | | हे. आर |
| १ | ५९ | ० ९८ |
| २ | ६० | १ ०९ |
| ३ | ६१/१ | ० ९८ |
| ४ | ६२ | १ १० |
| ५ | ६३ | १ ५२ |
| ६ | ६४/१ | २ ०४ |
| ७ | ६४/२ | १ ७१ |
| <hr/> | | |
| एकूण आराजी . . | | |
| <hr/> | | |
| ९ ४२ | | |
| <hr/> | | |

अनुसूची-चार

सामाजिक प्रभाव निर्धारणाचा सारांश :
(सामाजिक प्रभाव निर्धारण अभ्यास
करणा-या अभिकरणाने दिलेला)

भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करतांना, वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम, २०१३ चे कलम १०(क) अन्वये महाराष्ट्र शासन, महसूल व वनविभाग, मंत्रालय, मुंबई यांची अधिसूचना दिनांक १३ मार्च, २०१५ नुसार उक्त अधिनियमाचे प्रकरण २ व ३ यांच्या तरतुदी लागू करण्यावाचून सूट देण्यात आली आहे.

अनुसूची-पाच

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशील

| | | |
|---|---|-------|
| (अ) प्रशासक म्हणून नियुक्त करण्यात आलेल्या अधिकार्याचे पदनाम | : | निरंक |
| (आ) प्रशासकाच्या कार्यालयाचा पत्ता | : | निरंक |
| (इ) ज्या अधिसूचनेद्वारे प्रशासकाची नियुक्ती करण्यात आली आहे त्या अधिसूचनेचा तपशील | : | निरंक |

टीप : उक्त जमिनीच्या आराखड्याचे उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन क्र. १), विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडळ, नागपूर यांचे कार्यालयामध्ये निरीक्षण करता येईल.

भाग १ (असा.) (ना.वि.पु.) म. शा. रा., अ. क्र. ४४.

भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्साहत करतांना उचित भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र सुधारणा) अधिनियम, २०१८.

क्रमांक क.लि.-उजिभू-वि.पा.वि.म.-कावि-२१२-२०१८.—

ज्याअर्थी, भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्साहत करतांना उचित भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम, २०१३ (२०१३ चा ३०) याच्या कलम ३ च्या खंड (इ) च्या परंतुकाद्वारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकाराचा वापर करून काढण्यात आलेली शासकीय अधिसूचना, महसूल व वन विभाग क्र. संकिर्ण ११-२०१४-प्र.क्र.-७७-अ-२, दिनांक १९ जानेवारी, २०१५ (यात यापुढे जिचा निर्देश “ उक्त अधिसूचना ” असा करण्यात आला आहे) याद्वारे असे अधिसूचित केले आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (झेड ओ) मध्ये व्याख्या केलेल्या एखाद्या सार्वजनिक प्रयोजनासाठी, एखाद्या जिल्हातील ५०० हेक्टरपेक्षा अधिक नसेल इतक्या क्षेत्राकरीता जमीन संपादन करण्याच्या संबंधात, अशा जिल्हाधिकारी हा उक्त अधिनियमाच्या प्रयोजनासाठी समुचित शासन असल्याचे मानण्यात येईल.

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिसूचनेनुसार समुचित शासन असलेल्या, नागपूर जिल्हाधिकार्यास यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-एकमध्ये अधिक तपशीलवार वर्णन केलेली जमीन (यात यापुढे जिचा निर्देश “ उक्त जमीन ” असा करण्यात आला आहे) सार्वजनिक प्रयोजनासाठी (यात यापुढे ज्याचा निर्देश “ उक्त सार्वजनिक प्रयोजन ” असा करण्यात आला आहे) आवश्यक आहे अथवा तिची आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे असे वाटते, ज्याच्या स्वरूपाचे विवरण यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-दोनमध्ये दिलेले आहे.

आणि म्हणून, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट-कलम (१) च्या तरतुदीन्वये याद्वारे असे अधिसूचित करण्यात येते की, उक्त जमिनीची उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे;

आणि ज्याअर्थी, प्रस्तावित भूमि संपादनाच्या अनुषंगाने बाधित व्यक्तींचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-तीनमध्ये दिलेले आहेत. (विस्थापन होणार असेल तर या अनुसूचीमध्ये कारणे नमूद करावी);

आणि ज्याअर्थी, सामाजिक परिणाम निर्धारण सारांश यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-चारमध्ये दिलेला आहे.

आणि ज्याअर्थी, कलम ४३ च्या पोट-कलम (१) अन्वये पुनर्वसन व पुनर्वसाहत या प्रयोजनासाठी नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशील, यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-पाचमध्ये दिलेला आहे. (नियुक्ती करणे आवश्यक असेल तर या अनुसूचीमध्ये तपशील नमूद करावा);

त्याअर्थी, आता, असे घोषित करण्यात येत आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट-कलम चार नुसार कोणतीही व्यक्ती ही अधिसूचना प्रसिद्ध झाल्याच्या दिनांकापासून ते उक्त अधिनियमाचे प्रकरण चार खालील कार्यवाही पूर्ण होईल त्या कालावधीपर्यंत उक्त जमिनीचा अथवा तिच्या भागाचा कोणताही व्यवहार करणार नाही किंवा उक्त जमिनीवर कोणताही भार निर्माण करणार नाही;

परंतु, उक्त जमिनीच्या अथवा तिच्या भागाच्या मालकाने अर्ज केल्यावर जिल्हाधिका-यांस विशेष परिस्थितीची कारणे लेखी नमूद करून अशा मालकास उपरोक्त तरतुदीच्या प्रवर्तनातून सुट देता येईल.

परंतु, आणखी असे की, जर कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे बुद्धीपुःरस्सर उल्लंघन केल्यामुळे तिला झालेल्या कोणत्याही हानीची किंवा क्षतीची जिल्हाधिका—यांकडून भरपाई दिली जाणार नाही.

तसेच उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट-कलम (५) अनुसार, जिल्हाधिकारी भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना उचित भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम, २०१४ (यात यापुढे ज्यांचा निर्देश “ उक्त नियम ” असा करण्यात आला आहे) यांच्या नियम १० च्या उप नियम (३) द्वारे विहीत केल्याप्रमाणे भूमि अभिलेखाच्या अद्यावतीकरणाचे काम हाती घेणार असल्याचे व पूर्ण करणार असल्याचे देखील घोषित करण्यात येत आहे.

आणि म्हणून, त्याअर्थी, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (४) अन्वये, समुचित शासन असलेला जिल्हाधिकारी, उक्त अधिनियमाखालील जिल्हाधिका-यांची कार्य पार पाडण्यासाठी श्री. ए. सी. कुमरे, उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन क्र. १), विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडळ, नागपूर यास पदनिर्देशित करीत आहे.

अनुसूची-एक

जमिनीचे वर्णन

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक १०-अ-६५-२०१७-१८, प.ह.नं. ८७,

गाव-कन्हाळगाव, तालुका-भिवापूर, जिल्हा नागपूर.

| अनुक्रमांक | सर्वे क्रमांक किंवा गट क्रमांक | संपादनाखालील क्षेत्र ^(३) (अदमासे) |
|------------|-----------------------------------|---|
| (१) | (२) | (३) |
| १ | ३२/१ | ० २९ |
| २ | ३२/२ | ० २९ |
| | | — |
| | अदमासे क्षेत्र . . | ० ५८ |
| | | — |

अनुसूची-दोन

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाबाबत विवरण

प्रकल्पाचे नाव : मोखाबर्डी उपसा सिंचन योजना.

प्रकल्प कार्याचे वर्णन : मोखाबर्डी उपसा सिंचन योजनेअंतर्गत पेंढरी मोखाळा वितरीकेवरील लघु कालवा आर-४ च्या भूसंपादनाकरीता.

समाजाला मिळणारे लाभ : मोखाबर्डी उपसा सिंचन योजनेचा लाभ सार्वजनिक पाणीपुरवठा, उद्योगधंदे व शेतजमिनीला होणार आहे.

अनुसूची-तीन

बाधित व्यक्तीचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे : विस्थापीत होत नाही.

अनुसूची-चार

सामाजिक प्रभाव निर्धारणाचा सारांश : भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनरस्थापना करतांना, वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम, २०१३ चे कलम १०(क) अन्वये महाराष्ट्र शासन, महसूल व वनविभाग, मंत्रालय, मुंबई यांची अधिसूचना दिनांक १३ मार्च, २०१५ नुसार उक्त अधिनियमाचे प्रकरण २ व ३ यांच्या तरतुदी लागू करण्यावाचून सूट देण्यात आली आहे.

अनुसूची-पाच

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशील

| | | |
|---|---|-------|
| (अ) प्रशासक म्हणून नियुक्त करण्यात आलेल्या अधिका-याचे पदनाम | : | निरंक |
| (आ) प्रशासकाच्या कार्यालयाचा पत्ता | : | निरंक |
| (इ) ज्या अधिसूचनेद्वारे प्रशासकाची नियुक्ती करण्यात आली आहे त्या अधिसूचनेचा तपशील | : | निरंक |

टीप : उक्त जमिनीच्या आराखड्याचे उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन क्र. १), विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडळ, नागपूर यांचे कार्यालयामध्ये निरीक्षण करता येईल.

नागपूर :
दिनांक ११ सप्टेंबर, २०१८.

ए. सी. कुमरे,
उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन क्र. १),
विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडळ, नागपूर.